

## वश्व की प्रमुख सभ्यताएँ

//

# विश्व की प्रमुख सभ्यताएँ

### मेसोपोटामिया, 4000-3500 ईसा पूर्व

- इसका उद्गम आधुनिक इराक और **ईरान, सीरिया, कुवैत** और **तुर्की** के कुछ भाग, **टाइग्रिस** और **यूफ्रेट्स नदियों** के बीच हुआ
- इसे **सभ्यता के उद्गम** स्थल के रूप में जाना जाता है
- अपनी लिपि, देवताओं और महिलाओं पर विचारों वाली संस्कृतियों का विविध संग्रह
- समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक परिदृश्य को दर्शाते हुए, धर्म, कानून, चिकित्सा और ज्योतिष जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित करने वाली **अत्यधिक सम्मानित शिक्षा प्रणाली**
- पुरुष तथा महिला दोनों विविध व्यवसायों में शामिल** थे, जिनमें कृषि के साथ-साथ मुंशी, चिकित्सक, कारीगर, बुनकर, कुम्हार आदि जैसी भूमिकाएँ भी शामिल थीं।
- महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त थे और वे जमीन की मालिक भी हो सकती थीं, तलाक के लिये याचिका लगा सकती थीं, आदि
- मीनारें**, सीढ़ीदार पिरामिड मंदिरों के **आसपास बसे हुए शहर** के निवासी अपने संरक्षक देवता का सम्मान करते थे
- धूप में सुखाई गई ईंटों** से निर्मित शहर, विश्व के पहले शहर थे।

### प्राचीन मिस्र, 3100 ईसा पूर्व

- नील नदी** के तट पर स्थित
- पिरामिडों, कब्रों और मकबरों** के लिये सबसे अधिक जाना जाता है, जिसमें शवों को मृत्यु के पश्चात् के जीवन हेतु तैयार करने के लिये ममीकरण किया जाता है।
- इसने स्मारकीय लेखन और गणित प्रणालियों की विरासत छोड़ी
- सभ्यता **332 ईसा पूर्व में** सिकंदर महान की विजय के साथ **समाप्त** हो गई

### सिंधु घाटी सभ्यता, 3300 ईसा पूर्व

- यह आधुनिक **भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान** में स्थित है
- अन्य प्राचीन सभ्यताओं की तुलना में अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण, व्यापक युद्ध के बहुत कम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं
- संगठित शहर की योजना, एकसमान पकी-ईट वाले घरों**, एक ग्रिड संरचना और जल निकासी, सीवेज और जल आपूर्ति प्रणालियों से परिपूर्ण
- 1800 ईसा पूर्व के आसपास इसका पतन** हुआ, मृत्यु के पीछे के वास्तविक कारणों पर अभी भी परिचर्चा होती है (ये सिद्धांत पतन के लिये आर्य आक्रमण या जलवायु एवं प्राकृतिक कारणों को प्रस्तावित करते हैं)

### प्राचीन चीन, 2000 ईसा पूर्व

- हिमालय पर्वत, प्रशांत महासागर और गोबी रेगिस्तान द्वारा संरक्षित, **यलो और यांग्त्ज़ी नदियों के बीच स्थित**
- सदियों तक आक्रमणकारियों और अन्य विदेशियों से संघर्ष में फला-फूला
- सामान्यतः चार राजवंशों में विभाजित - **ज़िया, शांग, झोउ और किन** - प्राचीन चीन पर एक के बाद एक सम्राटों का शासन था।
- दशमलव प्रणाली, अबेकस और धूपघड़ी** के साथ-साथ **प्रिंटिंग प्रेस** को विकसित करने का श्रेय दिया जाता है
- बड़े पैमाने पर बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के निर्माण के लिये आबादी को संगठित किया (मिस्रवासियों के समान)

